निरंतर याद में न रहने का कारण

ईश्वरीय नियमों का उल्लंघन करना... जब हम ईश्वरीय नियमों का उल्लंघन करते हैं तो शिव बाबा की याद भूल जाती है। शिव बाबा को भूलने से अन्य के प्रति घृणा आनी शुरू होती है। मानों किसी ने आपका काम बिगाड़ दिया, आपके रास्ते में उसने रूकावट डाल दी, किसी के सामने आपकी इनसल्ट कर दी अथवा कोई ऐसा नुकसान पहुँचा दिया तो आपको बार-बार उस व्यक्ति के प्रति रोष आता रहेगा, उसकी ही याद आती रहेगी और परमात्मा की याद से कोसों दूर चले जायेंगे। जिसके प्रति घृणा हो, द्वेष हो, वैर-विरोध हो वो भी ज़्यादा याद आयेगा। जैसे किसी के प्रति आप की ज़्यादा प्रीत होती है तो वो बहुत याद आयेगा और जिसके प्रति नफरत और ईर्ष्या, द्वेष हो तो वो भी बहुत याद आयेगा। आमतौर पर व्यक्ति को ये दो ही याद आते हैं बाकी सब भूल जाते हैं।

बाबा कहते हैं, तुम्हारे दुश्मन कोई व्यक्ति नहीं है। जब तक अपने मन में यह नहीं सोचा है कि हमारे दुश्मन कोई नहीं है। कोई भी इन्सान हमारा दुश्मन नहीं है। अगर हमने कोई भी गलत अथवा उल्टा काम किया ही नहीं है तो हमारा कोई कुछ बिगाड़ ही नहीं सकता। किसी भी परिस्थिति में ठीक हमारे अच्छे कर्म कोई न कोई ऐसा रास्ता निकाल देंगे जिससे हम सुरक्षित निकल आयेंगे। हमारे नुकसान के लिए कोई भी निमित्त बना हो लेकिन असल में उस नुकसान का कारण है हमारे बुरे कर्म। इसलिए हमारे दुश्मन हैं बुराई, विकार। निमित्त कोई भी बन सकता है। आज वह बना है, कल दूसरे प्रकार के नुकसान के लिए और कोई बन सकता है। इसलिए हमारे अन्दर सबके प्रति शुभ-भावना और शुभ कामना होनी चाहिए। हमें यही सोचना चाहिए कि हरेक का भला हो, हरेक का अच्छा हो। कर भला तो हो भला। यह हमारे जीवन का बुनियादी उसूल होना चाहिए। हम यह दृढ़ निश्चय करें कि हमें किसी के बारे में बुरा सोचना ही नहीं है, स्वप्न मात्र में भी बुरा नहीं सोचना है। बुरा सोचना माना दुःख देना। कई सोचते हैं कि इसको छुरा मार दूँ। अब उसने बुरा सोचा, उसके पास उस समय छुरा नहीं है, और आदमी भी बैठे हैं इसलिए उसने मारा नहीं। वह मजबूर है। अगर उसके पास छुरा होता, वह जिसको मारना चाहता था वो अकेला होता और मारकर भाग निकलने के लिए साधन भी होता तो वह छुरा

ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

मार देता। इस प्रकार कोई आदमी पहले बुरा सोचता है, बाद में बुरा करता है। यह जो बुरा सोचना है, यही बुराई की जड़ है। किसी को दुःख देने की बात तो दूर रह गयी लेकिन किसी को दुःख मिले अथवा हम उसको दुःख दें- ऐसा सोचना भी बहुत बुरा है। ऐसा सोचना ही नहीं है। जब हमारी ऐसी शुभ-भावना, शुभ कामना वाली वृत्ति होगी तब हमारी याद निरन्तर होगी।

जिसके प्रति घृणा और दुश्मनी होगी उसकी याद आती है, वैसे ही जिसके प्रति मोह होता है उसकी भी याद आती है। इसलिए ही बाबा कहते हैं, नष्टोमोहा स्मृतिर्लब्धा। यह हमारे पेपर का आखिरी प्रश्न है, इसमें हमें पास होना है। इसलिए नष्टोमोहा के साथ-साथ नष्टोघृणा भी हो जायें तब स्मृतिर्लब्धा सहज हो जायेंगे। भले ही आप में किसी के प्रति मोह नहीं है लेकिन उसके प्रति घृणा पैदा हो गयी तो जोश आ जायेगा, रोष आ जायेगा। जब भी उस व्यक्ति को आप देखेंगे, उसकी याद आयेगी तो आप में उबाल आ जायेगा। शिव बाबा की याद के बदले उस व्यक्ति की याद आ जायेगी। इससे कितना नुकसान हो गया! अगर उस व्यक्ति के बदले हमने शिव बाबा को याद किया होता तो हमारा भविष्य कितना ऊंचा बनता! कितनी बड़ी प्राप्ति होती! हमारे विकर्म विनाश होते!

अगर आप उस व्यक्ति को दुष्ट कहते हो, खराब कहते हो तो उसको क्यों याद करते हो? जब आप उसको अच्छा ही नहीं समझते हो, तो बुरे को क्यों याद करते हो? जब उस व्यक्ति को इन स्थूल आँखों से देखना ही नहीं चाहते हो तो मन की आँखों से क्यों देखते हो? किसी को बुरा समझ कर उसको याद करना और शिव बाबा को भूलना - यह बहुत बड़ा पाप करना है, यह जन्म-जन्मान्तर का शिव बाबा का वर्सा गंवाना है। यह बात भले ही बड़ी छोटी-सी है लेकिन बहुत भारी है। जिस प्रकार एक कमरे में अथाह धन-सम्पत्ति रखी हुई हो, कीमती चीज़ हो, करोड़ों नोटों की गड्डियां रखी हुई हों तथा किसी ने वहाँ एक जलती हुई सिगरेट का टुकड़ा फेंक दिया और उससे उस कमरे में आग लग गयी हो तो कितना नुकसान हो जाता है! इसी प्रकार घृणा ऐसी चिंगारी है जो हमारे ज्ञान को भस्म कर देती है। जिस प्रकार, बाबा की याद विकर्मों को दग्ध करती है वैसे ही घृणा और द्वेष, सुकर्म और ज्ञान को भूसा बना कर उसे भस्मीभूत कर देते हैं। इसलिए नष्टोमोहा के साथ नष्टोघृणा भी होना चाहिए तब हम स्मृतिर्लब्धा बन सकेंगे।

झज्जर-हरियाणा। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर ब्र.कु. भावना बहन को सम्मानित करते हुए सांसद मंत्री अरविंद शर्मा। साथ हैं ब्र.कु. पूनम बहन, एडीसी जगनिवास जी, एसपी वसीन अकरम, डॉ. आचार्य बलदेव, कमेटी के चेयरमैन जिले सिंह सैनी तथा अन्य।

जयपुर-श्रीनिवास नगर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के पीस पैलेस सेवाकेन्द्र में आने पर राजस्थान एसेम्बली के सेक्रेट्री महावीर प्रसाद शर्मा के साथ ईश्वरीय ज्ञान चर्चा के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. हेमा बहन। साथ हैं ब्र.कु. मदनलाल शर्मा भाई तथा अन्य भाई-बहनें।

आरा-बिहार। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस पर चिकित्सकों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आई.ए.एस.,डीडीसी भोजपुर हरि नारायण पासवान, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. किरण बहन, ब्र.कु. रूपा बहन, सीनियर डॉ. प्रमोद कुमार रमन, डॉ. एस.के. केडिया, डॉ. के.एन. सिन्हा, डॉ. विनोद कुमार, डॉ. अनिल सिंह सहित पचास से अधिक डॉक्टर्स उपस्थित रहे।

बाड़मेर-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं प्रशासक सेवा प्रभाग तथा ब्रह्माकुमारीज़ महावीर नगर द्वारा जिला परिषद सभागार में आयोजित कार्यशाला के दौरान सेवानिवृत्त आईएएस ब्र.कु. सीता राम मीणा, जिला कलेक्टर लोकबंधू जी, जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओमप्रकाश विश्नोई, अति. जिला कलेक्टर उम्मेद सिंह रतनू, ब्र.कु. डॉ. रीना दीदी,भोपाल, ब्र.कु. हरीश भाई,मुख्यालय संयोजक,प्रशासक सेवा प्रभाग,मा.आबू, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. बबिता बहन, डिस्कॉम के अधीक्षण अभियंता अजय माथुर, नगर परिषद् आयुक्त योगेश आचार्य, महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक प्रहलाद सिंह राजपुरोहित सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी एवं ब्र.कु. भाई-बहनें उपस्थित रहे।

भद्रक-ओडिशा। आई.एम.ए. एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आई.एम.ए. प्रेसिडेंट डॉ. आर.के. नायक, सेक्रेट्री डॉ. हरिहर नायक, ब्र.कु. मंजू बहन, ब्र.कु. रत्नप्रभा बहन तथा अन्य भाई-बहनें उपस्थित रहे।

आमेट-राज.। आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आयोजित 'सुस्वास्थ्य और खुशनुमा जीवन' कार्यक्रम में माउण्ट आबू से डॉ. सविता दीदी व ब्र.कु. गीतू बहन, उदयपुर से ब्र.कु. रीटा दीदी, ब्र.कु. पूनम दीदी, ब्र.कु. गौरी दीदी, आमेट के चेयरमैन कैलाश मेवाड़ा आदि उपस्थित रहे।

फाज़िल्का-पंजाब। दो दिवसीय बाल व्यक्तित्व विकास शिविर के पश्चात् समूह चित्र में प्रतिभागी बच्चों के साथ ब्र.कु. प्रिया बहन, ब्र.कु. शालिनी बहन तथा अन्य।

हाथरस-आनंदपुरी कॉलोनी(उ.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के महिला प्रभाग द्वारा 'बेटी बचाओ सशक्त बनाओ' अभियान के अंतर्गत 'शिव की शक्ति है नारी' विषयक कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शांता बहन। इस अवसर पर भारतीय नागरिक कल्याण एवं अपराध निरोधक समिति के सचिव अधिवक्ता हरीश शर्मा, पुलिस अधीक्षक विकास कुमार वैद्य, वामासारथी पुलिस फैमिली वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्षा विभा वैद्य, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम संयोजिका शालिनी पाठक, रामगोपाल गुप्ता दाल वाले सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे।

भादरा-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर नेहरा हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम में डायरेक्टर इकबाल जीत कौर, स्त्री रोग विशेषज्ञ कुलसुम सिद्धि, ब्र.कु. चंद्रकांता बहन तथा नर्सिंग स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

बिहार शरीफ-बिहार। राष्ट्रीय डॉक्टर्स दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से सदर अस्पताल के सिविल सर्जन सहित 20 डॉक्टर्स को पुष्प तथा ईश्वरीय सौगात भेंट कर ब्र.कु. आकाश राज भाई तथा ब्र.कु. रवि भाई ने सम्मानित किया।

सोनीपत से.15-हरियाणा। संदल कलां गांव स्थित सनराइज़ इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों तथा स्टाफ को कृषि एवं पर्यावरण के प्रति जागृत एवं प्रेरित करने के लिए ब्रह्माकुमारीज़ को आमंत्रित किया गया। इस मौके पर ब्र.कु. प्रमोद दीदी, स्कूल के चेयरमैन, प्रिंसिपल, पर्यावरण संरक्षक मनीष भाई तथा अन्य शिक्षकों के साथ विद्यार्थीगण मौजूद रहे। इस मौके पर परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को पौधा वितरित किया गया।

पलवल-हरियाणा। एसआरएस से.6 में ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से ब्र.कु. सुदेश दीदी एवं ब्र.कु. सुनीता दीदी ने पौधारोपण के पश्चात् सभी को पौधे वितरित किये तथा उनकी देखभाल के लिये प्रतिज्ञा भी कराई।